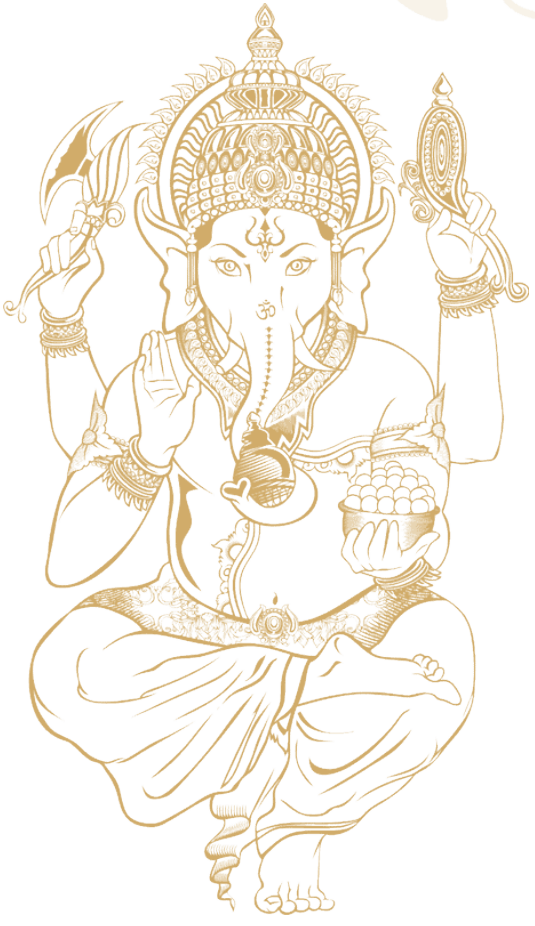

Deepak Kumar

Anshu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121620113

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
7-08/05/1998	जन्म तिथि	09/10/2003
गुरु-शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 04:40:00	जन्म समय	19:30:00 घंटे
घटी 57:40:11	जन्म समय(घटी)	32:55:54 घटी
India	देश	India
Panipat	स्थान	Faridabad
29:24:00 उत्तर	अक्षांश	28:24:00 उत्तर
76:58:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:55	सूर्योदय	06:17:47
19:02:34	सूर्यास्त	17:58:19
23:49:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:21

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 4मा 24दि		04:25:57	मेष	लग्न	मेष	23:06:00	शनि 4वर्ष 1मा 18दि	
राहु		23:21:02	मेष	सूर्य	कन्या	21:57:27	केतु	
30/09/2012		13:28:03	कन्या	चंद्र	मीन	13:45:53	27/11/2024	
01/10/2030		24:31:42	मेष	मंगल	कुंभ	07:12:33	28/11/2031	
राहु	13/06/2015	27:03:20	मीन	बुध	कन्या	10:25:11	केतु	25/04/2025
गुरु	06/11/2017	27:00:46	कुंभ	गुरु	सिंह	15:08:11	शुक्र	25/06/2026
शनि	12/09/2020	10:51:59	मीन	शुक्र	तुला	05:50:19	सूर्य	31/10/2026
बुध	01/04/2023	02:34:22	मेष	शनि	मिथु	19:05:01	चन्द्र	01/06/2027
केतु	19/04/2024	14:24:11	सिंह व	राहु व	मेष	26:53:25	मंगल	28/10/2027
शुक्र	19/04/2027	14:24:11	कुंभ व	केतु व	तुला	26:53:25	राहु	15/11/2028
सूर्य	13/03/2028	18:52:24	मक	हर्ष व	कुंभ	05:21:10	गुरु	22/10/2029
चन्द्र	12/09/2029	08:19:41	मक व	नेप व	मक	16:32:37	शनि	01/12/2030
मंगल	01/10/2030	13:24:07	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:47:27	बुध	28/11/2031

लग्न-चलित

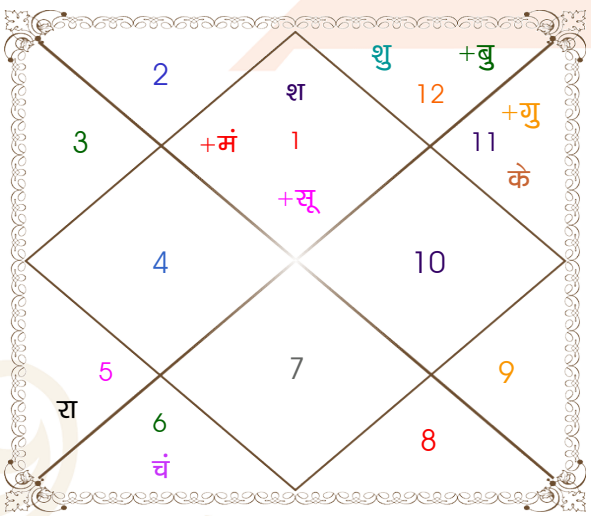

लग्न-चलित

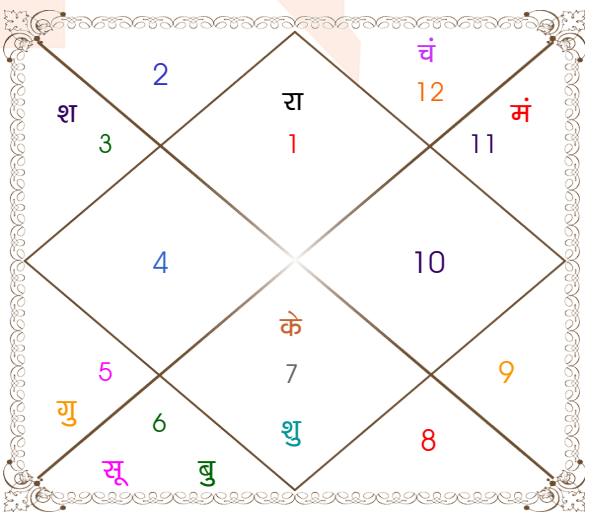

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

क्ममचां ज्ञनउंत का वर्ग मेष है तथा Anshu का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्ममचां ज्ञनउंत और Anshu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

क्ममचां ज्ञनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल क्ममचां ज्ञनउंत कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्ममचां ज्ञनउंत कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Anshu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Anshu कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Anshu कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्ममचां ज्ञनउंत तथा Anshu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।